एक अपील

एक महान कर्मयोगी, स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता और एक महान संस्था काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना पं0 मदन मोहन मालवीय (1861–1946) अपने प्रारम्भिक जीवन से मृत्युपर्यन्त राष्ट्र और समाज के हित में एकनिष्ठ भाव और ऊर्जा के साथ सतत रूप से संलग्न रहे। किन्हीं कारणों से मालवीय जी द्वारा लिखित, संपादित एवं उनसे संबंधित अभिलेखों, समाचार पत्रों एवं चित्रों का अभी तक कोई संग्रहागार स्थापित नहीं हो सका था। राष्ट्रीय अभिलेखागार व तीनमूर्ति पुस्तकालय में भी महामना संबंधी संग्रह अपूर्ण हैं। अतः एक विशेष मालवीय वीथिका, जहां एक स्थान पर महामना मालवीय जी व उनके काल से संबंधित ऐतिहासिक प्रपत्र संग्रहित हो, का अभाव विगत कई वर्षों से अनुभव किया जा रहा है। इसके बिना मालवीय जी के विचारों और आदर्शों का अध्ययन पूर्ण रूप से संभव नहीं हो पा रहा है। इसलिए हमलोगों के लिए यह अत्यन्त प्रसन्नता की बात है कि इस संबंध में एक पहल वर्ष 2011–12 में महामना के जन्म के 150 वर्ष पूरे होने पर भारत सरकार ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में गठित राष्ट्रीय क्रियान्वयन समिति ने की। इसने विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित मालवीय वीथिका के गठन का न केवल अनुमोदन किया बल्कि इसके अलावा इसकी स्थापना हेतु विश्वविद्यालय के मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र के अन्तर्गत एक भवन निर्माण के लिए राशि भी प्रदान की। मालवीय वीथिका का कार्य इस योजना के तहत प्रारम्भ हो गया है। मालवीय जी द्वारा संपादित समाचार पत्र ''अभ्युदय'' का पूरा सेट प्राप्त कर लिया गया है। इसके अलावा मालवीय जी के पार्लियामेण्ट में दिए गए सारे भाषण को एकत्रित कर लिया गया है। तीन मूर्ति से प्राप्त सभी मालवीय दस्तावेजों को एकत्रित कर लिया गया है। हमारा उद्देश्य है कि मालवीय जी से संबंधित सभी अभिलेखों को पुस्तक रूप में प्रकाशित करके और इण्टरनेट के द्वारा सार्वजनिक करके सुधीजनों के लिए उपलब्ध कराना।

मालवीय वीथिका अपने उद्देश्य में तब ही सफल होगा जब वह मालवीयजी से संबंधित सारे अभिलेखों, चित्रों, पुस्तकों एवं अन्य सामग्रियों को प्राप्त कर सके। ये सारी सामग्रियां लुप्त प्राय होती जा रही है। मालवीय वीथिका इनके संरक्षण व सार्वजनिक उपयोग के लिए कृतबद्ध है। हमारे उद्देश्य को सफल बनाने के लिए उन सभी लोगों से अपील है,

जिनकी मालवीय जी में रूचि हो या संबंध रहा हो, वे अपने पास उपलब्ध सामग्रियों को दान द्वारा इस वीथिका में देकर संग्रह को पूर्ण करने में अपना योगदान दें। इस सन्दर्भ में सभी सुधीजनों से अपील है कि महामना एवं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से सम्बन्धित पुराने पत्रों, अभिलेखों, प्रचार सामग्रियों, कार्ड, सिक्कों, भाषण, छायाचित्रों एवं रेखाचित्रों इत्यादि को मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र में दान में देने की कृपा करें। ऐसे किसी भी प्राप्त मूल सामग्री या छायाप्रति को केन्द्र दानकर्ता के नाम से संरक्षित रखेगा। सुधीजनों से अनुरोध है कि ऐसी किसी भी सामग्री को मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र, श्यामाचरण डे निवास, मालवीय भवन संकुल, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी–221005 में देने की कृपा करें।